NEERAJ®

Serving Education for Last 40 Years

M.E.C. -4

संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र

(Economics of Growth and Development)

Chapter Wise Reference Book
Including Many Solved Sample Papers

Based on

I.G.N.O.U.

& Various Central, State & Other Open Universities

By: *Namrata Gupta*, M.Com.

NEERAJ PUBLICATIONS
(Publishers of Educational Books)

Mob.: 8510009872, 8510009878   E-mail: info@neerajbooks.com
Website: www.neerajbooks.com

MRP ₹ 300/-

Content

संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र

(Economics of Growth and Development)

Question Paper—June-2023 (Solved) 1-2
Question Paper—December-2022 (Solved) 1-4
Question Paper—Exam Held in March-2022 (Solved) 1-3
Question Paper—Exam Held in August-2021 (Solved) 1-2
Question Paper—Exam Held in February-2021 (Solved) 1-4
Question Paper—June, 2019 (Solved) 1-2
Question Paper—December, 2018 (Solved) 1-2
Question Paper—June, 2018 (Solved) 1-2
Question Paper—December, 2017 (Solved) 1
Question Paper—June, 2017 (Solved) 1-2

S.No.	Chapterwise Reference Book	Page

आर्थिक संवृद्धि निदर्श–I (Economic Growth Models–I)

1. आर्थिक परिवर्धन : विषय-प्रवेश (Introduction to Economic Growth) 1
2. हैरॉड डोमार परिवर्धन निदर्श (Harrod-Domar Growth Model) 13
3. नव-परंपरागत परिवर्धन निदर्श (The Neo-Classical Growth Model) 23

आर्थिक संवृद्धि निदर्श–II (Economic Growth Models–II)

4. संवृद्धि एवं वितरण (Growth and Distribution) 30
5. कुल कारक उत्पादकता तथा परिवर्धन लेखा 40
   (Total Factor Productivity and Growth Accounting)
6. तकनीकी परिवर्तन तथा प्रगति (Technical Change and Progress) 47

आर्थिक संवृद्धि निदर्श–III (Economic Growth Models–III)

7. इष्टतम आर्थिक संवृद्धि के निदर्श 56
(Models of Optimal Economic Growth)

8. संवृद्धि के बहुक्षेत्रीय निदर्श 60
(Multi-Sector Models of Growth)

9. अन्तर्जात संवृद्धि निदर्श 64
(Endogenous Growth Models)

10. प्रसंभाव्य संवृद्धि निदर्श 67
(Stochastic Growth Models)

विकास के सामाजिक और संस्थानिक पहलू
(Social and Institutional Aspects of Development)

11. विकास और अल्पविकास (Development and Underdevelopment) 69

12. विकास के सूचक और मापन 79
(Measurement and Indicators of Economic Development)

13. जनसंख्या और विकास (Population and Development) 89

14. संस्थाएँ और आर्थिक विकास (Institutions and Economic Development) 96

15. ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बाजार का अधूरापन और अनौपचारिक संस्थाएँ 99
(Market Incompleteness and Informal Institutions in Rural Economy)

विकास के सिद्धांत (Theories of Development)

16. विकास के क्लासिकल सिद्धांत (Classical Theories of Development) 103

17. शुम्पीटर और पूँजीवादी विकास (Schumpeter and Capitalistic Development) 117

18. अल्पविकास के सिद्धांत (Theories of Underdevelopment) 124

विकास रणनीतियाँ (Development Strategies)

19. विकासशील देशों में संसाधन आबंटन एवं संवृद्धि योजना 138
(Allocation of Resources and Growth Strategies in Developing Countries)

20. लागत तथा लाभ विश्लेषण (Cost Benefit Analysis) 145

21. आयोजना की भूमिका (Role of Planning) 148

22. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास (International Trade and Development) 155

■ ■

Sample Preview of the Solved Sample Question Papers

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

QUESTION PAPER

June – 2023

(Solved)

संवृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र

(Economics of Growth and Development)

M.E.C.-4

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 100*

नोट : *दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक भाग से प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग-क

नोट : इस भाग से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 1. आर्थिक वृद्धि एवं आर्थिक विकास के अन्तर को समझाइए। आर्थिक विकास के मुख्य सूचकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-1, पृष्ठ-6, प्रश्न-2, पृष्ठ-9, प्रश्न-1

प्रश्न 2. आर्थिक वृद्धि के काल्डोर (Kaldor) मॉडल की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-4, पृष्ठ-32, 'आर्थिक परिवर्धन संबंधी कैल्दो का निदर्श'

प्रश्न 3. आर्थिक वृद्धि के रैम्जे (Ramsey) मॉडल की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-7, पृष्ठ-56, 'संवृद्धि संबंधी रामसे निवर्श' तथा पृष्ठ-58, प्रश्न-3

प्रश्न 4. निर्यात निर्देशक वृद्धि (Export-led-growth) से आप क्या समझते हैं? बताइए। विदेशी व्यापार के सन्दर्भ में भारत की वृद्धि की रणनीति की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-22, पृष्ठ-156, 'व्यापार रणनीति निर्यातोन्मुखी संवृद्धि'

इसे भी देखें–भारत लंबे समय तक एक संरक्षणवादी राज्य हुआ करता था, लेकिन वर्तमान में देश उत्तरोत्तर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक खुला हो गया है। जुलाई 1991 से, अर्थव्यवस्था बड़े पैमाने पर बाजार की गतिशीलता से संचालित होती है। यह भारत के विदेशी व्यापार के लिए सही है। भारतीय उद्योगों की दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के प्रयास में भारतीय अर्थव्यवस्था को पहली बार विदेशी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है।

1991 में घोषित किए गए व्यापार नीति उपायों ने भारत के विदेश व्यापार में एक नए युग की शुरुआत की। भारत ने अपने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सिर्फ अपनी विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने के लिए निर्यात संवर्धन रणनीति अपनाई। 1991 के बाद, भारतीय अर्थव्यवस्था के क्रमिक उदारीकरण ने भारत के निर्यात के फलने-फूलने और सामाजिक और आर्थिक विकास के इंजन के रूप में विकसित होने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाया। इसलिए, पिछले तीन दशकों में भारत एक बंद अर्थव्यवस्था से वैश्विक बाजार में एक बड़े सहभागी के रूप में परिवर्तित हो गया है। सुधारों के बाद कई निर्यात समर्थक नीतियां अपनाई गई हैं, जिनका भारत के व्यापार पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है। व्यापार उदारीकरण की प्रक्रिया अभी भी पूरी नहीं हुई है।

भारत का विनिर्माण निर्यात पिछले 2 वर्षों में तीव्र वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2022 (FY22) में 418 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुँच गया है। दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 3.1% का योगदान करने के बावजूद वैश्विक व्यापार में भारत का निर्यात योगदान वर्तमान में केवल 1.6% है। इसमें बढ़ता संरक्षणवाद एवं वि-वैश्वीकरण (deglobalisation), बुनियादी ढाँचे की कमी और उच्च-आय देशों में बाजार तक कमजोर पहुँच जैसे कई कारक शामिल हैं।

भाग-ख

नोट : इस भाग से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न 5. आय वितरण में गरीबी एवं असमानता के सम्पर्क का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-11, पृष्ठ-69, 'निर्धनता और असमानता', 'निर्धनता की प्रकृति' तथा पृष्ठ-70, 'आय की असमानताएँ'

प्रश्न 6. आर्थिक वृद्धि के शुम्पीटर मॉडल की मुख्य विशेषताएँ बताइए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-17, पृष्ठ-119, प्रश्न-3, पृष्ठ-120, प्रश्न-4

प्रश्न 7. गरीबी के दुश्चक्र का अर्थ समझाइए एवं इस चक्र को तोड़ने के उपायों को भी बताइए।

NEERAJ PUBLICATIONS www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-18, पृष्ठ-124, 'निर्धनता का दुष्चक्र', 'दुष्चक्रों को तोड़ने के तरीके/विधियाँ'

प्रश्न 8. विकासशील देशों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन (demographic transition) का वर्णन कीजिए। इस सन्दर्भ में जनसंख्या नीति के महत्त्व को समझाइए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-13, पृष्ठ-90, 'विकासशील देशों में जनसंख्या की समस्या की प्रकृति' पृष्ठ-93, प्रश्न-9

प्रश्न 9. विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के व्यापार के सन्दर्भ में प्रीविश-सिंगर-मिर्डल थीसिस (Prebish-Singer-Myrdal Thesis) का समीक्षात्मक निरीक्षण कीजिए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-22, पृष्ठ-156, 'प्रीविश, सिंगर एवं मिर्दल प्रमेय'

प्रश्न 10. कुल कारक उत्पादकता (Total Factor Productivity) का अर्थ समझाइए। कुल कारक उत्पादकता को मापने की विधियाँ भी बताइए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-5, पृष्ठ-40, 'कुल कारक उत्पादकता : परिभाषा', पृष्ठ-41, 'कुल कारक उत्पादकता मापन : विभिन्न उपागम'

प्रश्न 11. ग्रामीण ऋण (Credit) बाजार में जोखिम (Risk) एवं अनिश्चितता (Uncertainty) के अर्थ को समझाइए।

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-15, पृष्ठ-100, 'अनौपचारिक संस्थाएँ और जोखिम आपस में बाँटना'

प्रश्न 12. निम्नलिखित विषयों पर संक्षेप में लिखिए–

(क) सामाजिक द्वैतवाद का सिद्धान्त (Theory of Social Dualism)

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-18, पृष्ठ-133, प्रश्न-6

(ख) लुईस का विकास मॉडल (Lewis' model of development)

उत्तर–संदर्भ–देखें अध्याय-18, पृष्ठ-135, प्रश्न-5

■■

NEERAJ PUBLICATIONS
www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

Sample Preview of The Chapter

Published by:

NEERAJ PUBLICATIONS

www.neerajbooks.com

संवृद्धि और विकास का अर्थशास्त्र

(Economics of Growth and Development)

आर्थिक संवृद्धि निदर्श–I
(Economic Growth Models–I)

आर्थिक परिवर्धन : विषय-प्रवेश

(Introduction to Economic Growth)

1

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

परिचय

आर्थिक परिवर्धन के विभिन्न पहलुओं, जैसे आर्थिक परिवर्धन की परिभाषा, विश्व अर्थव्यवस्था का परिवर्धन-निष्पादन, आर्थिक परिवर्धन एवं विकास में अंतर, आर्थिक परिवर्धन का महत्त्व, स्रोत तथा सीमाएँ आदि की चर्चा इस अध्याय में की गई है। मुख्यत: आर्थिक परिवर्धन का अर्थ है संसाधनों को पुनर्व्यवस्थित करके समाज के लिए उसका मूल्य संवर्धन करना या उसका मूल्य बढ़ाना। आर्थिक परिवर्धन के लिए विभिन्न प्रकार की नई-नई विधियों का प्रयोग किया जाता है, ताकि इसे अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाया जा सके। किसी भी प्रकार के विकास के लिए आर्थिक संवृद्धि अति आवश्यक है, क्योंकि आय में वृद्धि के बिना किसी भी प्रकार के विकास के अवसर कम हो जाते हैं। अत: इस अध्याय में आर्थिक परिवर्धन के विभिन्न बिन्दुओं के विषय में जानकारी प्रदान की गई है।

अध्याय का विहंगावलोकन

आर्थिक परिवर्धन क्या है?

संसाधनों की पुनर्व्यवस्था करके उन्हें समाज के लिए पहले से अधिक मूल्यवान बनाने को आर्थिक परिवर्धन कहा जाता है। आर्थिक परिवर्धन का मुख्य उद्देश्य है विकास की गति को बढ़ाना तथा अल्पविकसित देशों के नागरिकों के जीवन स्तर को उच्च स्तर पर पहुँचाकर परिवर्तन को सकारात्मक दिशा देना। परिवर्धन प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण अंग है परिवर्तन। यह हमें सिखलाता है कि हमें केवल उत्पादन का ही ध्यान नहीं रखना है अपितु उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन की गुणवत्ता में भी परिवर्तन लाना है, ताकि उत्पाद के स्तर को पहले से उच्चतर किया जा सके।

आर्थिक परिवर्धन द्वारा नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाया जा सकता है, परंतु इसके लिए मुख्य आवश्यकता है एक बेहतर शिक्षित समाज तथा स्वस्थ वातावरण की।

www.neerajbooks.com

आर्थिक परिवर्धन इन सबके साथ-साथ समाज को, बेहतर उत्पाद, कार्यबल, अधिक दक्ष एवं सुरक्षित यंत्र आदि उपलब्ध कराता है जिससे कार्यकुशलता में सुधार एवं परिवर्तन आता है, परंतु वर्तमान आर्थिक परिवर्धन सिद्धांत अभी गुणात्मक पहलुओं की सकारात्मकता को सिद्ध करने के लिए सत्य से काफी दूर हैं।

आर्थिक परिवर्धन एवं विकास में अन्तर

आर्थिक परिवर्धन का अर्थ कहीं-न-कहीं वस्तु के उत्पाद तथा गुणवत्ता में वृद्धि है, परंतु यह विकास से भिन्न है। विकास व्यापक तथा विशाल स्तर पर परिवर्तन से संबंधित होता है। अत: परिवर्धन तथा विकास दो ऐसे शब्द हैं, जिनका अर्थ एक-दूसरे से भिन्न है तथा एक-दूसरे के पर्याय के रूप में इनका प्रयोग नहीं किया जा सकता।

विश्व अर्थव्यवस्था का परिवर्धन निष्पादन

19वीं शताब्दी के आरंभ में जनसंख्या तथा उत्पादन की गति बहुत ही धीमी थी परंतु विगत शताब्दी में विश्व जनसंख्या के साथ-साथ उत्पादन में भी आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली है। इससे जनसाधारण के जीवन स्तर में भी परिवर्तन हुआ तथा वह निम्न स्तर से सुधार की ओर अग्रसर हुआ। इन सभी परिवर्तनों में आर्थिक परिवर्धन की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है। यदि हम सन 1800 के आँकड़ों पर नजर डालें तो तब से लेकर अब तक के समय में बहुत अधिक परिवर्तन आ चुका है। विश्व में समग्र उत्पादन 4 प्रतिशत प्रति वर्ष से अधिक तथा जनसंख्या लगभग 2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। औसत व्यक्ति की वास्तविक आय दुगुनी से भी अधिक हो चुकी है। विभिन्न आँकड़ों से पता चलता है कि नब्बे के दशक में चीन ने सबसे अधिक अर्थात 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की गति से तथा भारत ने 6 प्रतिशत की दर से परिवर्धन किया। इस संदर्भ में उच्चतम आय वाले देश हैं जापान तथा अमेरिका।

विभिन्न देशों में सकल घरेलू उत्पाद और प्रतिव्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 1990 एवं 2000

↓ देश	GDP (मिलियन $)	GDP प्रति व्यक्ति ($)	GDP (मिलियन $)	GDP प्रति व्यक्ति ($)	CARG* GDP
वर्ष →	1990		2000		1990-2000
इथोपिया	4020.7	78.9	6304	99	4.6
केन्या	8456.6	357.3	10410	347	2.1
पाकिस्तान	42885.2	397.8	61673	447	3.7
भारत	**267696.7**	**314.9**	**479404**	**472**	**6.0**
चीन	**405182.0**	**354.9**	**1079954**	**856**	**10.3**
मिस्र	62716.6	1194.5	98333	1537	4.6
ईरान	69501.4	1272.8	98990	1547	3.6
तंजानिया	6865.0	266.1	9316	274	3.1
नामीबिया	2327.8	1489.9	3479	1740	4.1
रूस	410642.0	2756.9	251092	1720	4.8
ब्राज़ील	441462.0	2984.2	587553	3456	2.9
दक्षिण अफ्रीका	103271.2	2927.6	125887	2928	2.0
कोरिया गणतंत्र	262648.2	6172.9	457219	9728	5.7
न्यूज़ीलैंड	37192.0	10372.9	49983	12496	3.0

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

↓ देश	GDP (मिलियन $)	GDP प्रति व्यक्ति ($)	GDP (मिलियन $)	GDP प्रति व्यक्ति ($)	CARG* GDP
वर्ष →	1990		2000		1990-2000
स्वीडन	190218.8	21996.2	227369	25263	1.8
इंग्लैंड	1104170.8	19152.4	1413432	23557	2.5
जापान	4110381.3	33349.4	4677099	36828	1.3
फ्रांस	1086717.2	19169.1	1286252	21801	1.7
जर्मनी	1611434.9	20249.2	1870136	22807	1.5
ऑस्ट्रेलिया	263641.8	15633.8	394023	20738	4.1
कनाडा	518097.4	18461.3	689549	22244	2.9
अमेरिका	7074185.8	28263.9	9882842	35046	3.4

नोट CARG* का अर्थ है : संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर

स्रोत विश्व बैंक, *वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट,* 1992, 2002 एवं 2004

उच्च-आय औद्योगिक देशों, उच्च-वृद्धि अल्पतम विकसित देशों और निम्न-आय अल्पतम विकसित देशों हेतु प्रतिव्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (1980-1991)

उच्च-वृद्धि अल्पतम विकसित देश		उच्च-आय देश		निम्न-वृद्धि अल्पतम विकसित देश	
चीन	8.2	जापान	2.2	कोंगो (जायरे)	4.7
दक्षिण कोरिया	5.8	ऑस्ट्रेलिया	2.1	सीरा लियोन	3.5
ताइवान	5.3	अमेरिका	1.9	नाइजर	2.5
सिंगापुर	4.8	इंग्लैंड	1.9	हैती	2.2
थाइलैंड	4.7	इटली	1.8	कोटा देल्वॉयर	2.2
आयरलैंड	4.4	नीदरलैंड	1.8	जांबिया	2.0
हांगकांग	3.9	फ्रांस	1.6	मेडागास्कर	1.8
भारत	3.7	जर्मनी	1.5	निकारागुआ	1.8
मलेशिया	3.7	कनाडा	1.4	मध्य अफ्रीकी गणतंत्र	1.3
चिली	3.6	स्विट्जरलैंड	0.9	नाइजीरिया	1.1

स्रोत विश्व बैंक, वर्ल्ड डेवलपमेंट इंडिकेटर्स, 2001 एवं चीन गणतंत्र, स्टैटिस्टिकल ईयर बुक ऑफ द रिपब्लिक ऑफ 0चाइना, 2000

नोट वर्ष 1991 में केवल 20 लाख या अधिक जनसंख्या वाले देश ही शामिल हैं।

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com

विभिन्न देशों में प्रतिव्यक्ति GDP और GDP 1950 और 1998

↓ देश	GDP (मिलियन $)	pcy*	GDP (मिलियन $)	pcy*	GDP (मिलियन $)	pcy*	GDP (मिलियन $)	pcy*	CARG -GDP	CARG -pcy
वर्ष →	**1950**	**1973**	**1990**	**1998**	**1950 -**	**1998**				
इथोपिया	5394	250	13640	401	18964	372	24883	400	3.24	0.99
केन्या	3982	653	12107	961	26093	1101	30451	1075	4.33	1.04
पाकिस्तान	25366	643	67828	954	182014	1598	261497	1935	4.98	2.32
भारत	**222222**	**619**	**494832**	**853**	**1098100**	**1309**	**1702712**	**1746**	**4.33**	**2.18**
चीन	**239903**	**439**	**740048**	**839**	**2109400**	**1858**	**3873352**	**3117**	**5.97**	**4.17**
मिस्र	15224	718	36249	1022	112873	2012	140546	2128	4.74	2.29
ईरान	28128	1720	171466	5445	199819	3586	274695	4265	4.86	1.91
तंज़ानिया	3362	378	9007	588	13852	556	16933	553	3.43	0.80
नामीबिया	1002	2159	2895	3484	4619	3278	6158	3797	3.86	1.18
सोवियत संघ	510243	2834	1513070	6058	1987995	6871	1132434	3893	1.67	0.66
रूस			872466	6577	1151040	7762	664495	4523	0.77	1.06
ब्राज़ील	89340	1672	401643	3882	743765	4924	926919	5459	4.99	2.50
दक्षिण अफ्रीका	34465	2534	102498	4167	147509	3965	165239	3858	3.32	0.88
कोरिया गणतंत्र	16045	770	96794	2841	373150	8704	564211	12152	7.70	5.92
न्यूज़ीलैंड	16136	8493	37177	12518	46729	13825	56322	14822	2.64	1.17
स्वीडन	47269	6738	109794	13488	151451	17672	165385	18688	2.64	2.15
इंग्लैंड	347850	6907	675941	12023	944610	16411	1108568	18714	2.44	2.10
जापान	160966	1926	1242932	11334	2321153	18795	2581576	20413	5.95	5.04
फ्रांस	220492	5270	683965	13123	1026491	18092	1150080	19558	3.50	2.77
जर्मनी	265354	3881	944755	11965	1264438	15925	1460069	17799	3.62	3.22
ऑस्ट्रेलिया	61274	7491	172314	12764	291180	17028	382335	20337	3.89	2.10
कनाडा	102164	7436	312176	13838	524475	18934	622880	20559	3.84	2.14
अमेरिका	1455916	9561	3536622	16689	5803200	23214	7394598	27331	3.44	2.21

स्रोत मैडिसन, 2003,

नोट pcy* का अर्थ है प्रतिव्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद

Neeraj Publications www.neerajbooks.com

www.neerajbooks.com